IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारत सरकार के बजटीय आय एवं व्यय की प्रवृत्ति का वि”लेशणात्मक आध्ययन

डॉ0 आलोक सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर
वाणिज्य संकाय,
श्री गणे”ा राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
डोभी, जौनपुर(यू0पी0)

भाोध–सरां”ा

वित्तीय प्र”ाासन के रूप मे बजट को सभी दे”ाों द्वारा स्वीकार किया गया एक प्रमुख अस्त्र है। बजट वह साधन है जिसके माध्यम से सरकारे अपना वित्तीय कार्य का संचालन करती है। बजट में सरकार के आय एव व्यय के आकडे होते है, सरकार कहाँ से आय प्राप्त करती है और कहाँ पर व्यय करती है इन सब का विवरण होता है। बजट की आय–व्यय की प्रवृत्तियों के अध्ययन से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि सरकर कर राजस्व एवं गैर–कर राजस्व में से काहाँ से सबसे अधिक आय प्राप्त करती है और आय का व्यय किस प्रकार करती। भारत सरकार की आय एवं व्यय की प्रवृत्ति को देखा जाय तो इसमें वर्श दर वर्श बढने की प्रवृत्ति रही है वही राजस्व में कर राजस्व का हिस्सा अन्य सोत्रों सें प्राप्त राजस्व से अधिक रहा है। भारत सरकार की बजट में जो आय–व्यय किया जाता है वह सकल घरेलू उत्पाद के 13 से 16 प्रति”ात के बीच में पिछले दस सालो मे देखने को मिलता है।

प्रस्तावना:–

किसी भी दे"ा के आय एवं व्यय का उस दे"ा की अर्थव्यवस्था, रोजगार, कृशि, उद्योग, व्यक्तियों के जीवन स्तर एवं दे"ा के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव प्रड़ता है। अतः बजटीय आय व्यय का अध्ययन किसी भी दे"ा के लिए महत्वपूर्ण होता है।

भारतीय संविधान में केन्द्रसरकार एवं राज्य सरकार के राजस्व एवं व्यय के अधिकारो का स्पश्ट वर्णन किया गया है। केन्द्र सरकार के समस्त राजस्व को भारत के समेंकित निधि में जमा किया जाता है, जिसे संसद से अनुमति के बाद ही खर्च किया जाता है। कें न्द्र सरकार के राजस्व को समेकित निधि के अलावा राजस्व को भारत के आकस्मिकता निधि एवं भारत के लोकलेखा खाता में भी जमा किया जाता है। केन्द्रीय वित्त के दो भाग (क)–केन्द्र सरकार के राजस्व (ख)– केन्द्र सरकार के व्यय है।

(क)– केन्द्र सरकार के राजस्वः– केन्द्र सरकार को अपने कायों को सम्पादित करने के लिए आय की जरुरत होती है। भारत सरकार की आय के स्रोत को दो भागों मे विभाजित किया गया है, आय के कर साधन एवं दूसरा आय के गैर–कर साधन[1]। केन्द्र सरकार के आय या राजस्व को दो भागो मे विभजित किया गया है–

(I) राजस्व प्राप्तियाँ एवं (II) पूंजगत प्राप्तियाँ

(I) राजस्व प्राप्तियाँः– राजस्व प्राप्तियों में उन आय स्त्रोतों को भाामिल किया जाता है जिसके बदले में कोई भुगतान नही करना होता है। राजस्व प्राप्तियाँ कां दो भागों मे विभजित किया गया है (A)–कर राजस्व (B)–गैर कर राजस्व

(A)–कर राजस्वः–कर सरकार को दिया जाने वाला अनिवार्य अं"ादान होता है जिसे सरकार सभी के सामान्य हित के लिए व्यय करती है और जिसका करदाता को मिलने वाले लाभ से कोई समबन्ध नही होता है। भारत सरकार राजस्व की प्राप्ति विभिन्न प्रकार के कर लगा कर करती है यह कर भी दो प्रकार के होते है, प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर, प्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनको वही व्यक्ति देता

है जिस पर ये लगाये जाते है दूसरे भाब्दों में प्रत्यक्ष कर का दबाव तथा भार अन्तिम रूप से उसी व्यक्ति पर पड़ता है जिस पर सरकार द्वारा कर लगाया जाता है करदाता इस कर भार को किसी अन्य व्यक्ति पर टाल नही सकता है। अप्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनका दबाव एक व्यक्ति पर तथा उसका भार दूसरे व्यक्ति पर पड़ता है। दूसरे भाब्दों में, कर की जिम्मेंदारी तो करदाता पर होती है, परन्तु वह कर का भार दूसरे व्यत्तियों पर टाल देता है। भारत सरकार के प्रमुख कर[2] 1–आयकर 2–निगम कर 3–धन कर 4–वैयक्तिक उपभोग व्यय कार 5–उपहार कर 6– ब्याज कर 7–संपदा भाुल्क 8–संघी उत्पाद भाुल्क 9–सीमा भाुल्क 10–सेवा कर 11–वस्तु एवं सेवा कर 12–पूंजी लाभ कर 13–लाभा''ा कर 14–फिंज बेनिफिट कर 15–प्रतिभूति व्यापर कर 16–कमोडिटीज ट्रैंन्जेक''ान टैक्स आदि प्रमुख है।

(B)–गैर–कर राजस्व :–गैर–कर राजस्व वह रा''ा होती है, जो सरकार टैक्स के अतिरिक्त अन्य साधनों से प्राप्त करती है। इसमें सरकारी कंपनियों के विनिवे''ा से प्राप्त रा''ा, सरकारी कंपनियों से मिले लभां''ा एवं सरकार द्वारा चलायी जाने वाली विभिन्न आर्थिक सेवाओं के बदले प्राप्त रा''ा भाामिल होते है। गैर–कर राजस्व हमारे दे''ा की राजकोशिय प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, यह भारत सरकार की आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोंत है। गैर कर राजस्व निम्न है[3]–

1–राजकाशोय सेवाओं से आय :– राजकोशोय सेवाओं के राजस्व में मुद्रा, सिक्का, टकसाल और अन्य राजकोशोय सेवाओ से प्राप्त आय भामिल होता है जैसे–प्रर्वतन निदे''ाालय द्वारा विभिन्न फार्मो से प्राप्त दण्ड से आय, विदे''ाी मुद्रा विनिमय के उल्लंघन एवं संपत्ति की जब्ती से प्राप्त आय। मुद्रा सिक्का और टकसाल से प्राप्त होने वाले राजस्व में भारतीय रिजर्व बैक रसीद फार्म(1), मुद्रा प्रेस नोट नासिक, बैक नोट प्रेस देवास, सुरक्षा पेपर मिल हो''ांगाबाद, सिक्का के सरकुले''ा से लाभ, ढलाई एवं रिफायनरी से आय।

2–ब्याज से प्राप्तियाँ :– इसमें प्रमुख राज्यो और केन्द्र''ासित प्रदे''ाे द्वारा केन्द्र सरकार से लिये गये ऋणो पर दिया जाने वाला ब्याज। रेलवे, पोस्ट, और टेलीग्राफ में निवे''ात पूंजी पर ब्याज। रेलवे, पोस्ट और टेलीग्राफ के अलावा अन्य वाणिज्यक उपक्रमो में पूंजीगत निवे''ा पर प्राप्त ब्याज भाामिल होता है।

इसके अतिरिक्त अैद्योगिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों और सरकारी कर्मचारियों के ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज आदि।

3– लाभां”ा एवं लाभ से आय :– गैर–कर आय के स्त्रोतों में रेलवे, डाक और टेलीग्राफ, भारतीय रिजर्व बैक, राश्ट्रीयकृत बैकों से लाभ का हिस्सा, एल0आई0सी0 और अन्य सार्वजनिक उपक्रमो के लाभां”ा आदि को भाामिल किया जाता है।

4–सामान्य सेवाओ से आय :– सामान्य सेवाओ से प्राप्त आय(1) प्र”ाासनिक सेवाओ से आय जैसे–लोक सेवा आयोग, पुलिस, जेल आपूर्ति, स्टे”ानरी और प्रिटिंग से प्राप्त रा”िा (2) पेन्सन और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए वसूली से आय (3) विभिन्न सामान्य सेवाओ– लाभ विनिमय और डॉक प्रमाण पत्र एवं बाजार ऋण आदि की लावारिस प्राप्तियाँ।

5–सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाओं से आय :– सरकार सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाओं स भी आय प्राप्त करती है जैसे– "िाक्षा, कला और संस्कृति, परिवार कल्याण, चिकित्सा, अवास, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल आपूर्ति, भाहरी विकास, सूचना एवं प्रचार, प्रसारण, श्रम और रोजगार, अन्य सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाये आदि।

6– आथिक सेवाए :– आर्थिक सेवओ की आय प्राप्ति में कृशि तथा संबद्ध क्रियाकलाप, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण, दिल्ली दुग्ध योजना, सिचाई और बाढ़ नियन्त्रण, परिवहन, उद्योग और खनिज, संचार, विदे”ाी व्यापार, निर्यात संवर्धन सेवाएं, नागरिक आपूर्ति आदि।

7– विदे”ाी सहायता :– केन्द्र सरकार को मित्र दे”ाो से नगद अनुदान, वस्तु अनुदान आदि के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। इसके अलावा विभिन्न विकास कार्यक्रमो के लिए अन्तराश्ट्रीय संस्थानों से नगद एवं वस्तुगत अं”ादान प्राप्त होते है।

(II) पूंजीगत प्राप्तियाँ :– पूंजीगत प्राप्तिया भी दो प्रकार की होती है। प्रथम देयता सृजित करने वाली प्राप्तियाँ एवं दुसरा संपत्तियो में कमी लाने वाली या देयता न सृजित करने वाली प्राप्तियाँ। इनमें से मुख्य प्राप्तियाँ निम्नवत है[4]–

1–विभिन्न संगठन, व्यक्तियो और दे”ाो से ऋण एवं अग्रिम की वसूली। जब से ऋण चुकाते है तो सरकार को ऋण की वसूली से पूंजीगत प्राप्तियाँ मिलती है।

2–उधार एवं अन्य देनदारियाँ– इसमें केन्द्र सरकार द्वारा प्राप्त आन्तरिक और बाह्य उधार भामिल है। जैसे–सार्वजनिक ऋण, विदे”ाी ऋण, अन्तराश्ट्रीय मुद्रा कोश से ऋण, आई0बी0आर0डी0 से ऋण, छोटी बचत, पो0पी0एफ0 एवं जी0पी0एफ0 आदि।

3– विनिवे”ा रसीदे :– पिछले कई वर्शो से सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के इकाईयों में विनिवे”ा कर के पूंजीगत प्राप्तियाँ कर रही है। वर्तमान समय में यह सरकार की आय का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है।

(ख) केन्द्र सरकार के व्यय :– किसी भी दे”ा में सार्वजनिक व्यय का स्वभाव एवं आकार, उस दे”ा की आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति पर निर्भर करता हैं। अविकसित या अल्प–विकसित दे”ाों में, विकसित दे”ाों की अपेक्षा, सार्वजनिक व्यय का आकार अधिक होना चहिए।

भारतीय संविधान में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के मुख्य–मुख्य कार्यो का सरकारों के बीच वितरण किया गया है। जहां संघ सरकार के कार्यो में रक्षा, नागरिक प्र”ाासन, रेलवें, डाक एवं तार आदि है वही राज्य सरकारों के कार्यो में भाान्ति व्यवस्था, पुलिस, स्थानीय संस्थाएँ, f”ाक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आदि आत है। कुछ मदों, जैसे–आर्थिक सामाजिक आयोजन, श्रम कल्याण, सामाजिक सुरक्षा आदि पर दोनों सरकारें मिल कर व्यय करती है।[5] भारत में संघीय सरकार के व्यय को दो खातों मे विभजित किया गया है। (I) राजस्व खाते का व्यय (II) पूंजी खाते का व्यय

(I) राजस्व खाते का व्यय :– भरत सरकार के वे सभी खर्च, जो कोई भौतिक या वित्तीय परिसम्पत्तियो का निर्माण नही करते है, उन्हे राजस्व खर्च कहा जाता है। इन खर्चो का सम्बन्ध सरकारी विभागो के संचालन, विभिन्न सेवाओं, सरकारी ऋण पर ब्याज आदि से है। बजट दस्तावेज में सकल राजस्व व्यय को योजना तथा गैर–योजना राजस्व व्यय में विभाजित किया गया है। योजना राजस्व व्यय का सम्बन्ध केन्द्रीय योजना और राज्यो तथा केन्द्र प्र”ाासित प्रदे”ाो की योजनाओ के लिए दी गयी सहायता से है जबकि गैर–योजना राजस्व व्यय के अन्तर्गत ब्याज

भुगतान, प्रतिरक्षा सेवाएं, आर्थिक सहायता, प्र”ाासनिक सेवाएं आदि आते है। कुछ मुख्य राजस्व व्यय का वर्णन निम्न है[6]–

1– सामान्य सेवाओं पर राजस्व व्यय 2– रक्षा सेवाएं 3– सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं 4–आर्थिक सेवाएं :–5– राज्यो को अनुदान एवं सहायता

(II) पूंजी खाते का व्यय[7] :– वह सरकारी व्यय, जो भातिक व वित्तीय परिसम्पत्तियाँ बनाने में सहायक है, पूंजीगत व्यय की श्रेणी में आता है। बजट दस्तावेज मे सकल पूंजी व्यय को दो भागो मे विभाजित किया गया है। पहला योजनागत पूंजी व्यय एवं दूसरा गैर–योजना गत व्यय। केन्द्र सरकार के याजना व्यय का सम्बन्ध केन्द्रीय योजना के अर्न्तगत परियोजना से है इसमें राज्यो एवं केन्द्र भाासित राज्यों में उनकी परियोजनाओं के लिए केन्द्र सरकार द्वारा दी गयी सहायता भी सम्मिलित है। इसके अलावा अन्य व्यय जैसे–गैर–आवासीय मकान, कार्यालय तथा प्र”ाासनिक भवन, प्रतिरक्षा के उद्दे”य से किय गया जमीन अधिग्रहण, स्कूल के लिए भावन, अस्पताल, प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं वैज्ञानिक अनुसंधान संगठनो पर किया गया पूंजीगत व्यय। पूंजी खाते व्यय के अर्न्तगत पूंजी व्यय एवं ऋण आते है जो अनेक आर्थिक विकास योजनाओं के लिए जैसे–कृशि क्षेत्र और संबन्धित सेवाये, उद्योग, खनिज, पेट्रोल, रसायन तथा रसायनिक स्तर के उद्योग, हवाई जहाज, उत्पादन निर्माण, जल–विद्युत विकास, पुल एवं अन्य आथिक सेवाओं के लिए स्वीकृत किए गये धन एवं इसके अलावा सरकार द्वारा ऋण और अग्रिम के रूप में राज्यों, केन्द्र”ाासित प्रदे”ों, विदे”ाी सरकारों, एवं सरकारी कर्मचारियों का दिये जाते है। पूंजी व्यय किसी भी प्रकार से सरकार की आय पर भार नहीं होता और यह व्यय ऋण तथा अन्य कोशों द्वारा पूरा होता है। पूंजी खाते के व्यय को सरकारी खाते में चार श्रेणीयो में विभाजित किया गया है।

1–विकासात्मक पूंजी परिव्यय।

2–गैर–विकासात्मक पूंजी परिव्यय।

3–राज्यो और केन्द्र”ासित प्रदे”ाो को ऋण एवं अग्रिम।

4–ऋण का निर्वहन

भारत सरकार की आय एवं व्यय की प्रवृत्ति[8]

भारत सरकार की आय–व्यय कि प्रवृत्ति को निम्न तालिका में दिखाया गया है–

वित्तीय वर्ष	स.घ.उ.	कुल–आय एंव व्यय	कुल–आय एंव व्यय, स.घ.उ. के प्रतिशत के रूप मे
2012–13 वास्त.	10028118	1410372	14.06417435
2013–14 वास्त.	11355073	1559447	13.73348282
2014–15 वास्त.	12653762	1663673	13.14765522
2015–16 वास्त.	13567192	1790783	13.19936358
2016–17 वास्त.	15075429	1975194	13.10207491
2017–18 वास्त.	16784679	2141973	12.7614773
2018–19 वास्त.	18840731	2315113	12.28780879
2019–20 वास्त.	20442233	2686330	13.14107906
2020–21 वास्त.	22287379	3509836	15.74808774
2021–22 सं.अ.	23214703	3770000	16.23970809
2022–23 ब.अ.	25800000	3944909	15.29034496

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से स्पश्ट है कि भारत सरकार के कुल आय–व्यय मे वर्श दर वर्श लगातर वृद्धि की प्रवृत्ति रही है। वित्तीय वश 2012–13 मे भारत सरकार का कुल आय एवं व्यय 1410372 लाख करोड रूपया था जो वित्तीय वर्श 2022–23 के बजट अनुमानो मे बढकर 3944909 लाख करोड हो गया है। जो 11 वर्श मे लग–भग तीन गुना हो गया है। भारत सरकार का कुल आय एवं व्यय सकल घरेलू उत्पाद का 13 से 15 प्रति”ात के बीच बना हुआ है जो यह स्पश्ट करता है कि भारत सरकार के सकल घरेलू उत्पाद में बजट की अहम भूमिका है।

भरत सरकार के कर प्राप्तियो के रूझान[9]

भारत सरकार के कर प्राप्तियो के रूझान को निम्न चार्ट द्वारा दिखाया गया है–

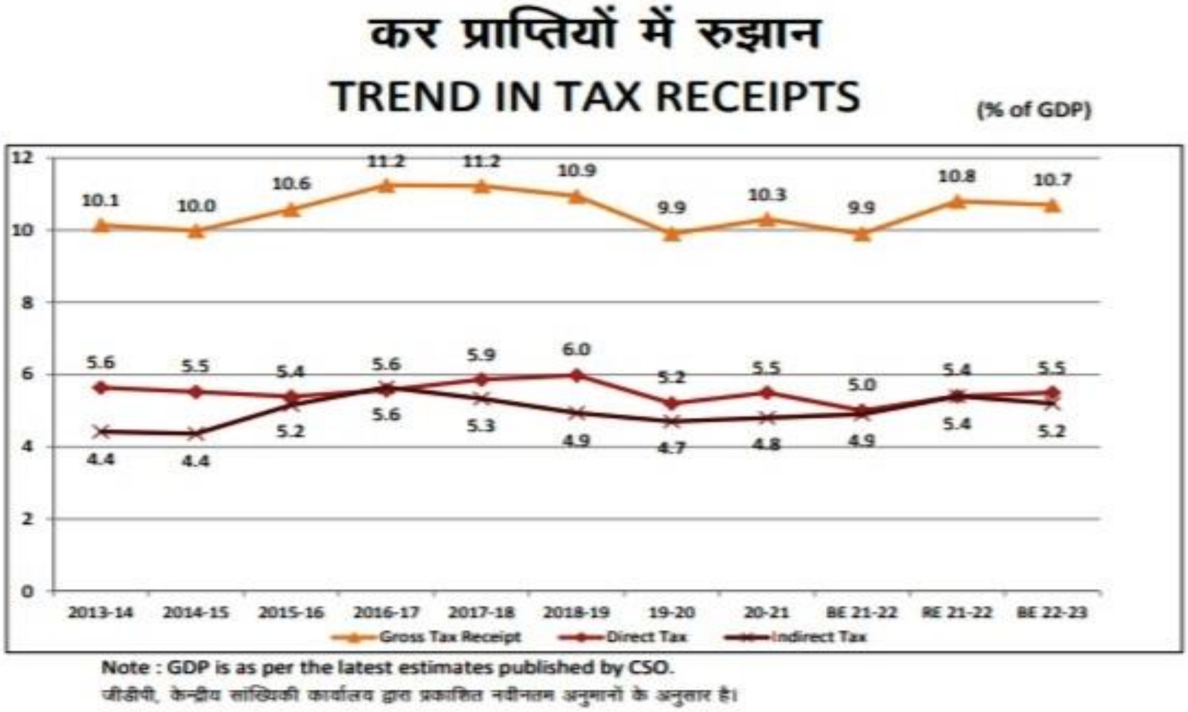

भारत सरकार के कुल प्राप्तियों में कर प्राप्तियों का महत्वपूर्ण स्थान है। कर प्राप्तियों मे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के कर को सम्मिलित किया जाता है। उपरोक्त चार्ट को देखने से पता चलता है कि सकल कुल कर प्राप्तियाँ वित्तीय वर्श 2013–14 में सकल घरेलू उत्पाद के 10.1 प्रति”ात था जो 2022–23 के बजट अनुमान में बढ कर 10.7 प्रति”ात हो गया है वही प्रत्यक्ष कर वित्तीय वर्श 2013–14 मे सकल घरेलू उत्पाद के 5.6 प्रति”ा था जो 2022–23 के बजट अनुमान घट कर 5.5 प्रति”ात हो गया है। प्रत्यक्ष कर को देखा जाय तो वर्श दर वर्श घटने तथा बढने की प्रवृत्ति रही है दूसरे भाब्दो में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में स्थिरता का आभाव है। अप्रत्यक्ष कर 2013–14 में सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रति”ा था जो 2022–23 के बजट अनुमानों में 5.2 प्रति”ात हो गया है। अप्रत्यक्ष कर भी वर्श दर वर्श घटने एवं बढने की प्रवृत्ति के सथ अन्त मे बढने की रही है। प्रत्यक्ष कर की भाति अप्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी स्थिरता का आभाव है।

भारत सरकार की व्यय संरचना[10]

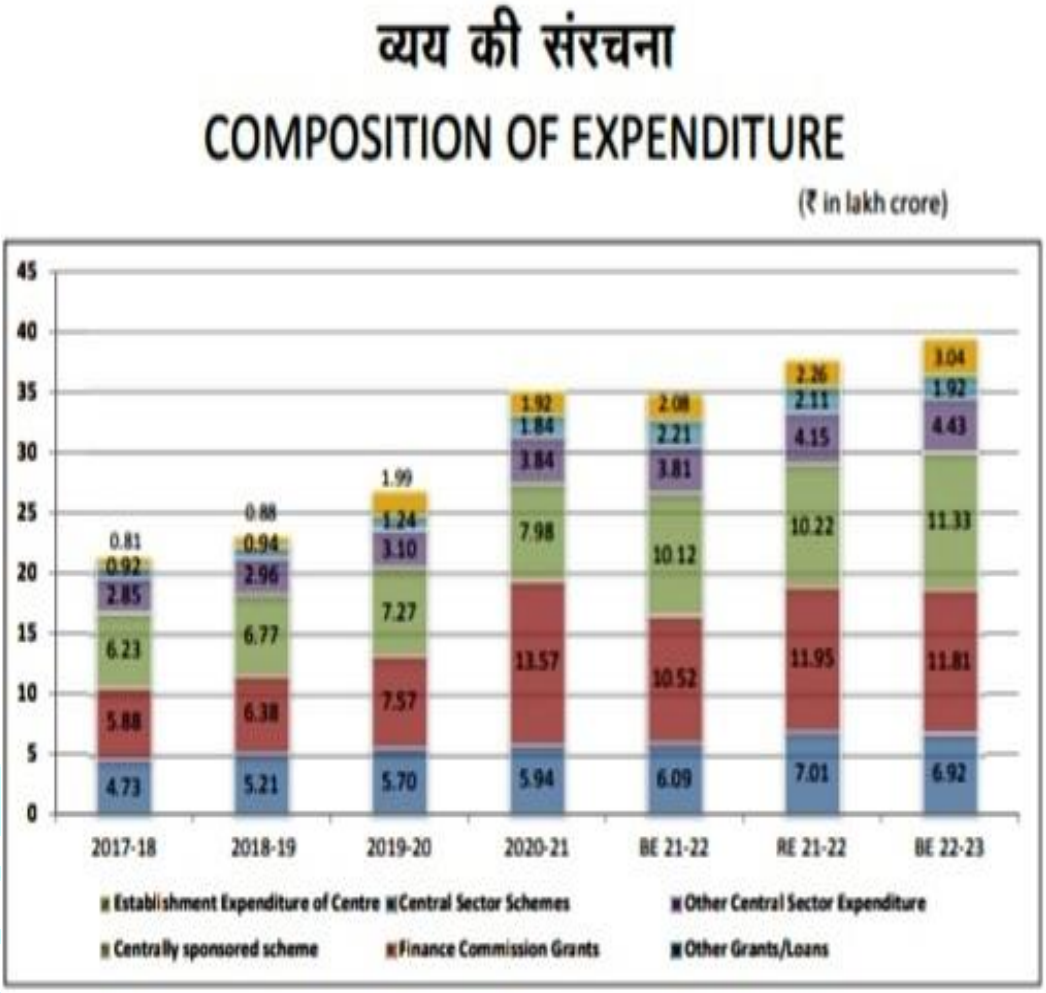

भारत सरकार की बजटीय व्यय संरचना को उपरोक्त चार्ट में दिखाया गया है। उपरोक्त चार्ट से पता चलता है कि भारत सकार के कुल व्यय में वित्त आयोग के अनुदान पद सबसे अधिक खर्च किया गया है वित्तीय वर्श 2017–18 में 5.88 लाख करोड खर्च किया गया है वही 2022–23 के बजट अनुमानो में यह राि"ा बढकर 11.95 लाख हो गया है दूसरे भाब्दों में यह राि"ा लग–भग पाँच वर्शो में दो गुन हो गया है। वही केन्द्रीय सरकार एसपोन्सर स्किम में भी व्यय राि"ा लग–भग दो गुनी हो गयी है 2017–18 में यह राि"ा 6.23 लाख करोड़ थी जो 2022–23 के बजट अनुमानों में बढ़कर 10.52 लाख करोड हो गया है। भारत सरकार के स्थापन व्यय 201–18 मे 0.81 लाख करोड था जो 2022–23 के बजट अनुमानों मे बढकर 2.26 लाख करोड हो गया है इस प्रकार स्थापन व्यय में तीन गुने की वृद्धि की प्रवृत्ति रही है। केन्द्रीय सरकार आधारित स्किम पर 2017–18 में 0.92 लाख करोड खर्च किय गया जिसे 2022–23 के बजट अनुमानो मे बढाकर 2.11 लाख करोड कर दिया गया है। भारत सरकार के अन्य सेक्टर में व्यय की गयी राि"ा जो वित्तीय वर्श 2017–18 में 2.85 लाख करोड़ था उसे वर्तमान बजट अनुमान में बढाकर 2.43 लाख कर दिया गया है। भारत सरकार के अन्य अनुदान एवं ऋण में भी भारी वृद्धि हुई है, वित्तीय वर्श 2017–18 मे जहाँ इस पर 4.73 लाख करोड खर्च किया गयी वही 2022–23 के बजट अनुमानो मे यह राि"ा बढका 6.09 करोड लाख हो गयी है। इस प्रकार हम देखते है कि भारत सरकार के व्यय में भी वर्श दर वर्श वृद्धि की प्रवृत्ति रही है।

निश्कर्शः—भारत सरकार के आय—व्यय के उपरोक्त अध्ययन से पता चलता है की भारत सरकार के आय—व्यय में वर्श दर वर्श लगातार वृद्धि की प्रवृत्ति रही है जो सकल घरेलू उत्पाद के 13 से 16 प्रति"ात के बीच में रही है। अतः भारत सरकार का बजट दे"ा की अर्थव्यव्स्था, रोजगार, कृशि, व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने, उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे राहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचिः—

1—लोकवित्त—डॉ0 जे0सी0 वार्श्णेणय पेज नं0 376 एसबीपीडी पब्लि"ाग हाउस आगरा
2—भारतीय अर्थव्यवस्थ— ि"ाव कुमार ओझा, पेज नं0—289 वौद्धिक प्रका"ान प्रयागराज
3— भारतीय अर्थव्यवस्थ— ि"ाव कुमार ओझा, पेज नं0—291 वौद्धिक प्रका"ान प्रयागराज
4— भारतीय अर्थव्यवस्थ— ि"ाव कुमार ओझा, पेज नं0—292 वौद्धिक प्रका"ान प्रयागराज
5—विशणु भगवान एवं विद्या भूशण—'लोक प्र"ाासन के सिद्धान्त'(2001) पेज0नं0 556 एस0 चन्द एण्ड कम्पनी लि0 रामनगर नई दिल्ली 110055
6—राजस्व के सिद्धान्त—टी0एन0 हलेजा पेज नं0 432 एएनई बुक पीवीटी लि0 नई दिल्ली
7—राजस्व के सिद्धान्त—टी0एन0 हलेजा पेज नं0 435 एएनई बुक पीवीटी लि0 नई दिल्ली
8—भारत सरकार की बजट सार 2012—13 से 2022—23

9— भारत सरकार की बजट सार 2022—23 पेज नं0 7

10— भारत सरकार की बजट सार से 2022—23 पेज नं09